पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 01.01.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

अंतर्राष्ट्रीय आर्य महा वेबिनार

दिनाक 3,4,5 फरवरी 2023

ऑनलाइन जूम से स्वयं जुड़े व मित्रो को प्रेरित करें

अनिल आर्य, संयोजक

वर्ष-39 अंक-15 पौष-2079 दयानन्दाब्द 199 01 जनवरी से 15 जनवरी 2023 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.01.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

96वें बलिदान दिवस पर स्वामी श्रद्धानंद जी को दी श्रद्धांजलि

स्वामी श्रद्धानन्द जी सामाजिक समरसता के अग्रदूत रहे –मीनाक्षी लेखी (केन्द्रीय विदेश राज्य मंत्री भारत सरकार)

दलितोद्धार में स्वामी श्रद्धानन्द जी का अमूल्य योगदान– डा. अशोक कुमार चौहान (संस्थापक अध्यक्ष, एमिटी शिक्षण संस्थान)

नई दिल्ली, शुक्रवार 23 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, महान समाज सुधारक, गुरुकुल कांगड़ी के संस्थापक स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती का 96वां बलिदान दिवस 14,महादेव रोड़,नई दिल्ली में सोल्लास मनाया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय विदेश राज्यमन्त्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी का जीवन सामाजिक समरसता को समर्पित था।उन्होंने कहा कि स्वामी जी ने गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार की स्थापना कर पुरातन गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को पुनर्जीवित किया। स्वामी श्रद्धानन्द निर्भीक संन्यासी थे उन्होंने कई मोर्चों पर अंग्रेजी हकूमत से लोहा लिया। उनके जीवन से आज प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि सर्वे भवंतु सुखिना की परंपरा से सनातन की रक्षा होगी महिला शिक्षा को आज भुला नहीं सकते अगर समाज में आगे बढ़ना है, स्वामी श्रद्धानंद का बलिदान रंग लाया है जो आज हम स्वतंत्रता से यज्ञादि श्रेष्ठ कार्य कर सकते हैं।उन्होंने आगे कहा कि आज का युवा नशे की गिरफ्त में है इसलिए आर्य समाजिओं को आह्वान किया अपने अपने क्षेत्र में नशा मुक्ति आंदोलन चलाएं। जिससे राष्ट्र की धरोहर युवा पीढ़ी सुरक्षित रह सके। समारोह अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार चौहान ने अपने संदेश में ऑनलाइन लाइव होकर कहा कि स्वामी श्रद्धानंद जी ने दलितोद्धार का सराहनीय कार्य किया और ऊंच नीच की दीवार को मिटाने में अहम भूमिका निभाई। उनके समाज उत्थान के योगदान को सदैव स्मरण रखा जायेगा। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि स्वामी जी ने धर्मांतरित हिन्दुओं का पुन शुद्धिकरण कर घर वापिसी का मार्ग प्रशस्त किया व इसी के लिए बलिदान हो गए। उन्होने महिलाओं की शिक्षा के लिए जालन्धर में महाविद्यालय की स्थापना की। वह सर्वदानी थे, उन्होंने गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना के लिए अपनी कोठी व प्रेस बेचकर अपना सर्वस्व दान कर दिया। आचार्या विमलेश बंसल ने कहा कि जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद उन्होंने अमृतसर में कांग्रेस अधिवेशन कर अपनी निर्भीकता का परिचय दिया। आचार्य गवेंद्र शास्त्री ने कहा कि स्वामी दयानंद जी के प्रवचनों को सुनकर उनके जीवन में बदलाव आया और वे मुंशी राम से स्वामी श्रद्धानन्द बने उन्होंने आर्य समाज को कुशल नेतृत्व प्रदान किया और अनेकों गुरुकुलों की स्थापना की। कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य विमलेश बंसल ने यज्ञ करवा कर किया, उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद जी के बाद सबसे अधिक कार्य स्वामी श्रद्धानन्द जी ने संभाला। भाजपा नेता रमेश पहलवान, पार्षद कुसुमलता रमेश,पार्षद यशपाल आर्य, प्रवीण आर्य (गाजियाबाद), ओम सपरा आदि ने भी अपने विचार रखे। गायक नरेन्द्र आर्य सुमन, प्रवीन आर्या पिंकी, नरेश खन्ना,विजय पाहुजा, प्रवीण आर्य आदि ने मधुर गीत प्रस्तुत किये। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री सुभाष शर्मा (वरिष्ठ नेता भाजपा), देवेंद्र गुप्ता, यशोवीर आर्य, रामकुमार आर्य, अरुण आर्य, के के यादव, राजेश मेंहदीरत्ता, अभिषेक पाण्डेय, सुशील बाली, डा. सुनील रहेजा, डा. गजराज सिंह आर्य, यज्ञवीर चौहान,प्रमोद आर्य, शशिकांत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी व अंतरंग सभा बैठक

रविवार 15 जनवरी 2023, समय प्रातः11.30 बजे, स्थानः सार्वदेशिक सभा मुख्यालय, महर्षि दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड, नई दिल्ली

परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी, अंतरंग सभा एवम सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक रविवार 15 जनवरी 2023 को प्रातः 11.30 बजे सार्वदेशिक सभा मुख्यालय महर्षि दयानन्द भवन,नई दिल्ली में बुलाई गई है। आपसे अनुरोध है कि डायरी में नोट कर लें व समय पर पहुंचे। बैठक में गत बैठक की कार्यवायी, गत शिविरस, युवा संस्कार अभियान, महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस, स्वामी श्रद्धानंद बलिदान दिवस, भाई जी का अभिनंदन समारोह आदि की समीक्षा की जायगी। **आगामी योजनाओं में**:—दिनाक 3,4,5 फरवरी 2023 को वार्षिक 'अंतर्राष्ट्रीय आर्य महा वेबीनार' का ऑनलाइन आयोजन, स्वामी श्रद्धानन्द जन्मोत्सव, 6 मार्च प.लेखराम बलिदान दिवस, 23 मार्च शहीद दिवस, महर्षि दयानन्द जन्मोत्सव, ग्रीष्म कालीन शिविरो की रूप रेखा, शाखाओं की सक्रियता आदि पर विचार किया जाएगा। प्रीति भोज दोपहर 2.00 बजे। आपकी सब साथियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

अनिल आर्य—राष्ट्रीय अध्यक्ष **देवेन्द्र भगत—राष्ट्रीय मंत्री** **धर्मपाल आर्य—कोषाध्यक्ष**

गाजियाबाद में स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस पर विशाल शोभा यात्रा

घर वापिसी का अभियान स्वामी श्रद्धानंद जी ने शुरू किया –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

गाजियाबाद,रविवार,25 दिसम्बर 2022, अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी के 96 वे बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में शम्भू दयाल वैदिक सन्यास आश्रम गाजियाबाद में महायज्ञ का आयोजन कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में शोभा यात्रा निकाली गई। पूज्य स्वामी सूर्यदेव जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ सम्पन्न हुआ,मुख्य यज्ञमान श्रीमती दीपा गोयल व अनुपम गोयल रहे। शोभा यात्रा का शुभारम्भ समाज सेवी ओम प्रकाश आर्य जी ने ओम ध्वज दिखाकर किया। विशाल शोभा यात्रा गांधी नगर, चौधरी मोड़,रेलवे रोड, बजरिया, घंटाघर, चौपला, डासना गेट,मालीवाड़ा चौक, अम्बेडकर रोड, कालका गढ़ी होते हुए सरस्वती शिशु मन्दिर के प्रांगण में जनसभा में परिवर्तित हो गई। समारोह में जनपद ग़ाज़ियाबाद हापुड़,ग्रेटर नोएडा के कोने कोने से सैकड़ों आर्य प्रतिनिधियों ने उत्साह से भाग लिया।मार्ग में जिला ग़ाज़ियाबाद से पधारे विभिन्न आर्य समाजों, स्कूलों के हज़ारों गणमान्य लोगों का व्यापारियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।शोभा यात्रा के अन्तर्गत विभिन्न आर्य समाजों की सुन्दर झांकियां भी प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर आर्य बंधु बालिका विद्यालय,गुरुकुल पटेल मार्ग, सन्यास आश्रम के छात्र एवं केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के युवकों का व्यायाम प्रदर्शन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सरस्वती शिशु मन्दिर के प्रांगण में जनसभा का प्रारंभ सर्वश्री ज्ञानेन्द्र सिंह आर्य,सेवा राम त्यागी,सुरेन्द्र पाल सिंह,नरेश त्यागी,स्वामी सूर्यदेव आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। बिजनोर से पधारे भजनोपदेशक मोहित शास्त्री जी ने स्वामी श्रद्धानन्द जी का गुणगान किया। वैदिक विद्वानआचार्य वीरेन्द्र शास्त्री (सहारनपुर) ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द जी का जीवन भटकते लोगों के लिये प्रकाश पुंज के समान है।हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर देश की एकता अखंडता के लिये कार्य करना चाहिए,यह गर्व की बात है कि आर्य समाज के लोगों में देश भक्ति का जज्बा कूट कूट कर भरा हुआ है जो अत्यंत प्रशंसनीय है।स्वामी श्रद्धानन्द राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की ज्वलंत मिसाल थे।स्वामी श्रद्धानन्द ने विश्व बंधुत्व का जो संदेश हम सबको दिया तथा नैतिकता का पाठ पढ़ाया वह केवल भारत के पास है,पूरे विश्व मे ओर कहीं नहीं मिलेगा। मुख्य अतिथि ठा. विक्रम सिंह (अध्यक्ष, राष्ट्र निर्माण पार्टी) ने अपने उद्बोधन में कहा कि बड़े सौभाग्य की बात है कि हम यहां किसी ना किसी बहाने से इकठ्ठे हुए हैं स्वामी श्रद्धानन्द स्वामी दयानन्द के ऐसे शिष्य थे जिन्होंने ऋषियों की परम्पराओं का पालन करते हुऐ गुरुकुल कांगड़ी की स्थापना हरिद्वार में की।उन्होंने कहा संघर्ष करो तभी देश बचेगा। आर्य नेता अनिल आर्य (राष्ट्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद) ने कहा कि घर वापिसी का मार्ग स्वामी श्रद्धानंद जी ने प्रशस्त किया,जो हिंदू किसी कारण से विधर्मी बन जाते थे उनके घर वापिस आने का कोई उपाय नहीं था, स्वामी श्रद्धानंद जी ने इस गंभीर समस्या को समझा और यज्ञ द्वारा शुद्ध करके हजारों मुसलमानों को वापिस हिंदू धर्म में सम्मिलित किया। नारी शिक्षा के लिए जालंधर में कन्या महाविद्यालय की स्थापना की,साथ ही पुरातन गुरुकुल प्रणाली को पुनर्जीवित किया। उनका बलिदान सदियों तक समाज का मार्ग प्रशस्त करता रहेगा। उनके बलिदान दिवस पर उन्हें याद करने का अर्थ है सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना आपसी भाई चारे से समाज व देश को मजबूत बनाएं, यही उनकी कथनी और करनी की समानता का प्रेरक उदाहरण है।उन्होंने कहा कि आज फिर से शुद्धि आंदोलन चलाने की आवश्यकता है जिससे जो लोग किसी कारण से विधर्मी हो गए थे उन्हें वापिस हिन्दू धर्म मे लाया जा सके। समारोह अध्यक्ष श्री माया प्रकाश त्यागी (कोषाध्यक्ष सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा) ने बताया कि लार्ड मैकाले की शिक्षा पद्धति के द्वारा देश का विकास नहीं हो सकता,बच्चों में संस्कार व हमारी संस्कृति की रक्षा गुरु कुलीय पद्धति से ही हो सकती है।उन्होंने कहा कि राष्ट्र की रक्षा ब्रह्मचर्य से होगी।उन्होंने बताया कि स्वामीजी ने कहा है चाहे जीवन मे सुख हो चाहे दुख हो लाभ हो या हानि हो जीवन में कुछ प्राप्त हो या न हो सत्य को कभी मत छोड़ो,स्वामी श्रद्धानन्द के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम अपने जीवन में परमात्मा के प्रति श्रद्धा रखें और आर्य समाज के उत्थान में अपना तन मन और धन लगा दें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद कहते थे यदि आपकी परमपिता परमात्मा में पूर्ण श्रद्धा है तो भगवान आपके सारे कार्य पूर्ण करेंगे। समाज सेवी श्री सुभाष गर्ग ने कहा कि आज जो देश में इस्लामीकरण और ईसाईकरण द्वारा हिंदू जाति का धर्मांतरण हो रहा है,आर्य समाज को पुनः शुद्धि आन्दोलन चलाकर इसे रोकना होगा और केन्द्र सरकार को अवगत कराना होगा। इस अवसर पर सर्वश्री श्रद्धानंद शर्मा,नरेश गोयल,केके यादव, डा.अजय अग्रवल (पूर्व सीएमओ) ने भी अपने विचार रखे। सभा का कुशल संचालन जिला गाजियाबाद आर्य केन्द्रीय सभा के प्रधान सत्यवीर चौधरी ने किया। सभा के महामंत्री श्री नरेन्द्र पांचाल जी ने दूर दराज से पधारे गणमान्य अतिथियों का शोभा यात्रा व जनसभा में पधारने पर आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री तेज पाल सिंह आर्य, चौ.मंगल सिंह,सुरेश गर्ग,सुरेश आर्य, यज्ञवीर चौहान,वी के धामा, त्रिलोक शास्त्री, शिल्पा गर्ग, आशा आर्या आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 486वां वेबिनार सम्पन्न

'कोरोना का नया वायरस' पर गोष्ठी सम्पन्न

चीन के वायरस से पहले की तरह सावधानी बरतें –डा. सुनील रहेजा (एम एस जी बी पंत अस्पताल)

सोमवार 26 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'चीन का नया वायरस' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह कोरोना काल से 484 वां वेबिनार था। डा.सुनील रहेजा (एम एस जी बी पंत अस्पताल) ने कहा कि चीन का नया वायरस पहले से अधिक प्रतिक्रिया देता है हमे अब फिर से सतर्क रहने की आवश्यकता है। धुंध, प्रदूषण व सर्दी में सुबह शाम सैर करने नही जाए अपितु धूप व मौसम खुलने पर 10 से 4 के बीच सैर करें।गर्म पानी का सेवन करे,रात्रि हल्दी वाला दूध पिएं। साथ ही विटामिन सी के लिए संतरा या गोली खाएं।उन्होंने कहा कि घरलू नुस्खे मुलहटी, अदरक,काली मिर्च,तुलसी आदि का काढ़ा बनाकर पीने से लाभ होगा। हरी सब्जियां फल खाएं।अपनी इम्यूनिटी सिस्टम को मजबूत बनाएं। योग और प्राणायाम करें यदि हम पहले की तरह सावधानी बरतेंगे तो अपना बचाव कर सकते हैं,अंत में उन्होंने कहा कि दो गज की दूरी मास्क है जरूरी। मुख्य अतिथि डॉ .रीना अरोड़ा आयुर्वेदाचार्या व अध्यक्ष ओम सपरा ने भी पहले की तरह निर्भीकता पूर्ण सावधानी रखने का आह्वान किया उन्होंने बताया कि हमारी रसोई हमारा चिकित्सालय है। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन करते हुए कहा कि हम भारतीय मजबूत इच्छा शक्ति के लोग हैं इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत करके बचाव करेंगे। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया,शांतिपाठ से कार्यक्रम सम्पन्न कराया। गायिका माता सुमित्रा गुप्ता, कमलेश चांदना, सुदेश आर्या, रजनी गर्ग, कृष्णा गांधी,ईश्वर देवी, कमला हंस, जनक अरोड़ा, अनिता छाबड़ा,साध्वी वसुंधरा, रविन्द्र गुप्ता, कुसुम भंडारी, संध्या पाण्डेय आदि के मधुर भजन हुए।

भारतीय सेना के उत्साह वर्धन के लिए किया यज्ञ

भारतीय सेना पर प्रश्नचिन्ह उठाना दुर्भाग्यपूर्ण –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 18 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आर्य समाज डा.मुखर्जी नगर, दिल्ली में 'राष्ट्र रक्षा यज्ञ' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आर्य नेता ओम सपरा (पूर्व मेट्रो पोलटन मजिस्ट्रेट) ने की, उन्होंने कहा कि वेदों में भी कामना की गई है कि हमारे वीर विजयी हो और शत्रुओं का नाश करने वाले हो । हमारी सेना बहादुर सेना है यह हम सब के लिए गर्व का विषय होना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि कुछ लोगो के द्वारा भारतीय सेना पर प्रश्न चिन्ह उठाना दुर्भाग्य पूर्ण व निंदनीय है। आर्य समाज राष्ट्र का सजक प्रहरी है और पूरी तरह से भारतीय सेना के साथ खड़ा है और उसका पुरजोर समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि ष्वीर भोग्या वसुन्धराष यानी कि वीर लोग ही धरती का सुख भोगा करते हैं। शक्ति रेव जयते सदा से होता आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राष्ट्र सुरक्षित हाथों में है भारतीय सेना विश्व की सर्वश्रेष्ठ सेना है प्रत्येक भारत वासी अपनी सेना पर गर्व महसूस करता है। राष्ट्र रक्षा यज्ञ द्वारा राष्ट्र की सुख समृद्धि व भारतीय सेना की विजय की प्रार्थना की गई। आर्य समाज का देश की आजादी में सर्वाधिक योगदान रहा और आज भी राष्ट्र रक्षा के लिए भारतीय सेना के साथ खड़ा है। यज्ञ की ब्रह्मा आचार्या प्रतिभा सपरा ने यज्ञ करवाया। आर्य गायिका पिंकी आर्या के देश भक्ति पूर्ण गीत हुए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीन आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मंडल के महामंत्री गोपाल आर्य ने किया। विजय सपरा, आस्था आर्या,अखंड प्रताप सिंह ने भी अपने विचार रखे।

'फेफड़ों का संरक्षण' पर गोष्ठी सम्पन्न

धीमी गति से दीर्घ सांस लेकर दीर्घ आयु प्राप्त करें –डा. सुषमा आर्या (आयुर्वेदाचार्या)

बुधवार, 21 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'फेफड़ों का संरक्षण' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 482 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ.सुषमा आर्या (आयुर्वेदाचार्या) ने कहा कि फेफड़ों का मुख्य कार्य वातावरण से प्राण वायु लेकर उसे रक्त परिसंचरण मे मिलाना है और रक्त से कार्बन डाइऑक्साइड को अलग कर उसे बाहर निकालना है। उन्होने बताया कि मनुष्य के शरीर में दो फेफड़े होते हैं –दायाँ फेफड़ा बाएं फेफड़े की मुकाबले अधिक फैला होता है। दाएं फेफड़े के नीचे जिगर या लिवर मौजूद रहता है,उसके लिए जगह बनाने के लिए इस फेफड़े का आकार थोड़ा कम रहता है।पुरुष के फेफड़े महिलाओं के फेफड़ों से ज्यादा हवा धारण करके रखते हैं। धूप, अगरबत्ती का धुआं,दीमक का छिड़काव,रंग रोगन इत्यादि करने वालों के फेफड़े अधिक कमजोर होते हैं।ब्रिस्क वाकिंग से और गहरी सांसें लेने से कमजोर फेफड़ों को ठीक किया जा सकता है।दूध में पिपली उबालकर पीने से कमजोरी दूर होती है फेफड़ों को ठीक करने के लिए गाजर का रस,अंगूर अनानास इत्यादि अवश्य खाने चाहिएं,अदरक का पानी,हल्दी का पानी अनार का सेवन फेफड़ों को मजबूत बनाने में सहायता करते हैं जुशांदा,श्वांस चिंतामणि रस,अजवाइन का उबले पानी से फेफड़े मजबूत रहते हैं।मेथी दाना उबालकर पानी पीने से फायदा होता है समय समय पर भाप लेनी चाहिए जिससे बलगम निकलता रहे और हम स्वस्थ रहेंगे।अतरूहमेशा गहरी सांस लेनी चाहिए जो पशु जल्दी– जल्दी (छोटी)सांस लेते हैं वह छोटी उम्र जीते हैं जैसे कुत्ता 1 मिनट में 60 बार सांस लेता है वह 10– 12 साल जीता है। हाथी,सांप,कछुआ 1 मिनट में 10 /15 सांस लेते हैं वह 100 साल पार कर लेते हैं। मनुष्य के हाथ में है कि वह व्यायाम, प्राणायाम से अपनी सांसो को दीर्घ कर धीमी गति से चलाएं और दीर्घायु को प्राप्त करें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि दीर्घ प्राणायाम से बनें दीर्घायु दीर्घ का अर्थ होता है लंबा।यह प्राणायाम मनुष्य की आयु बढ़ाने वाला है अर्थात दीर्घायु करने वाला।इस प्राणायाम से छाती, फेफड़े और माँसपेशियाँ मजबूत तथा स्वस्थ होती हैं।शरीर तनाव मुक्त रहकर फुर्तीदायक बनता है। उन्होंने उपस्थित श्रोताओं, वक्ताओं ओर गायकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि आर्य नेत्री शशि चोपड़ा व अध्यक्ष पूजा सलूजा ने श्वासो के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हमे इसका महत्त्व समझते हुए प्राणायाम करना चाहिए। गायिका कौशल्या अरोड़ा, ईश्वर देवी, कमला हंस, जनक अरोड़ा, कुसुम भंडारी, नरेश प्रसाद आर्य, कृष्णा गांधी,बिंदु मदान, अनिता रेलन,अनिता छाबड़ा, आशा शर्मा आदि के मधुर भजन हुए।

'वेद प्रचारकों से ही होगी समाज की शुद्धि' गोष्ठी सम्पन्न

वेद प्रचारकों का सम्मान करें–आचार्य हरिओम शास्त्री

शुक्रवार 11 नवम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'वेद प्रचारकों से ही होगी। समाज की शुद्धि' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल में 467 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता आचार्य हरिओ३म् शास्त्री (फरीदाबाद) ने कहा कि वेदों में भी उत्तम उपदेशकों को शुद्ध मन से आने के लिए प्रार्थना की गई है 'पुनरेहि वाचस्पते देवेन मनसा सह' उत्तम आचार्य और उपदेशक ही समाज की समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। आचार्य अरस्तू ने अपने शिष्य सुकरात को विश्व विख्यात बनाया।गुरु वशिष्ठ और विश्वामित्र ने श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम बनाया,उपदेशक आचार्य संदीपनी ने श्रीकृष्ण को योगेश्वर कृष्ण बनाया,आचार्य चाणक्य ने चन्द्रगुप्त मौर्य को सम्राट चन्द्रगुप्त बनाया,महात्मा बुद्ध ने आनन्द को भन्ते आनन्द बनाया,प्रज्ञा चक्षु दण्डी गुरुवर विरजानन्द जी ने मुल शंकर से महर्षि दयानंद सरस्वती बनाया, महर्षि दयानंद जी ने श्रद्धानंद जी को, बलिदानी पंडित लेखराम जी को,महात्मा हंसराज जी को और महादेव गोविन्द रानाडे जी को बनाया। इसलिए अच्छे विद्वान आचार्यों और उपदेशकों को हृदय से सम्मानित करके उनकी सेवा करनी चाहिए और उनसे अच्छे उपदेश ग्रहण करने चाहिएं। जिससे ज्ञान विज्ञान समाज में फैलता रहें।जब समाज में अच्छे विद्वान उपदेशकों का अभाव होता है तब समाज में अन्ध परम्परा ही चलती है और अन्धों की तरह लोग अनेकानेक कुरीतियों में फंसते जाते हैं। अतः कहा गया है – करता जा उपदेश हितैषी,वाणी से स्नेही उपदेशक ज्ञान की नाव बढ़ा तू आगे,निज पुरुषार्थ से बन जा खेवट।अतः समाज और देश के कर्णधारों को उचित है कि वे अच्छे विद्वान उपदेशकों का अभाव न होने दें। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा हमें अपने विद्वानों का सम्मान करना चाहिये तभी वह समाज के सुधार में योगदान कर पायेंगे। अध्यक्ष आचार्य सतीश शास्त्री ने कहा कि वेद मार्ग पर चलकर ही समाज का कल्याण हो सकता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने ऑनलाइन उपस्थित शक्ति और भक्ति स्वरूपा मातृशक्ति एवं देवतुल्य भ्राताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका प्रवीना ठक्कर,कमलेश चांदना, सुदर्शन चौधरी, सुनीता अरोड़ा, विजय खुल्लर, शोभा बत्रा, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

'स्वामी श्रद्धानन्द व वीर उधम सिंह' पर गोष्ठी सम्पन्न

स्वामी श्रद्धानंद निर्भीक संन्यासी थे –डा. नरेन्द्र आहुजा विवेक

शहीद उधमसिंह युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत रहेंगे –अनिल आर्य

सोमवार, 26 दिसम्बर 2022, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'स्वामी श्रद्धानंद व क्रांतिकारी उधम सिंह' पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 483 वां वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता डा. नरेन्द्र आहुजा विवेक (पूर्व राज्य ओषधि नियंत्रक हरियाणा) ने कहा कि क्रांतदर्शी महर्षि दयानन्द के उपरान्त दूसरा सबसे बड़ा आर्य स्तम्भ स्वामी श्रद्धानन्द हैं। पूर्व में महात्मा मुंशीराम के नाम से विख्यात देव दयानन्द के मानस पुत्र,नवजागरण के अग्रदूत, पंजाब में आधुनिक चेतना के निर्माता, स्वाधीनता संग्राम सेनानी क्रांतिकारी,निर्भय आर्य सन्यासी, निर्भीक पत्रकार, हिन्दू मुस्लिम एकता के सूत्रधार, श्रद्धा व्रत के पालक, क्रांतदर्शी युगपुरुष, गुरुकुलीय शिक्षा प्रणाली के पुनः संस्थापक, क्रियात्मक जीवन के धनी,करुणा त्याग सत्य के पोषक, राष्ट्रभाषा हिन्दी के प्रचारक,सामाजिक चेतना के नायक,आर्य समाज के उज्ज्वल रत्न,सर्वस्व त्यागी महादानी, सामाजिक समरसता के प्रतीक, अछूतोद्धारक,कन्या शिक्षा के पक्षधर,वैदिक सिद्धान्त प्रचारक, शुद्धि आंदोलन के प्रणेता,आत्म बलिदानी अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी महाराज का बलिदान दिवस 23 दिसम्बर 1926 को हुआ था।जब अब्दुल रशीद नाम के धार्मिक मतान्ध ने धर्म चर्चा की इच्छा व्यक्त की और अपनी पिस्तौल से गोलियां चला कर स्वामी जी की हत्या कर दी। स्वामी श्रद्धानन्द चाहे सशरीर हमारे साथ नहीं रहे लेकिन अपने जीवन काल में किए गए कार्यों के कारण सदा सर्वदा के लिए जनमानस विशेष रूप से आर्य जगत में अपनी अमिट छाप छोड़ कर अमर हो गए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि जालियां वाला बाग हत्या कांड का बदला लेने वाले क्रांतिकारी वीर उधम सिंह को शत शत नमन है जिसने 21 वर्ष बाद भी लंदन जाकर निर्दोषों की हत्या का बदला माइकल ओ डायर को मार कर लिया। उल्लेखनीय है कि उधम सिंह का जन्म 26 दिसम्बर 1899 को पंजाब के संगरूर में हुआ था और 31जुलाई 1940 को उन्हे फांसी दी गई।वीर उधम सिंह का बलिदान देश के युवाओं को सदैव ऊर्जा व प्रेरणा देता रहेगा। ऐसे नौजवानों के बलिदान से ही देश आजाद हुआ। मुख्य अतिथि आचार्य गवेंद्र शास्त्री व अध्यक्ष ईश आर्य हिसार ने कहा कि स्वामी श्रद्धानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेकर ऊंच नीच को समापत कर समाज को जोड़ने का कार्य करें। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापित किया वा दोनो स्वतंत्रता सेनानीयो से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। गायिका कमलेश चांदना, अंजू आहुजा, कमला हंस, कृष्णा गांधी,संध्या पाण्डेय,जनक अरोड़ा, प्रतिभा कटारिया, मधु खेड़ा, कुसुम भंडारी आदि के मधुर भजन हुए।

95वें बलिदान दिवस पर पं. रामप्रसाद बिस्मिल को दी श्रद्धांजलि

क्रांतिकारियों के प्रेरणा स्तम्भ थे बिस्मिल –डा. जयेंद्र आचार्य

पं. रामप्रसाद बिस्मिल ने महर्षि दयानंद से प्रेरणा ली –राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

सोमवार,19 दिसम्बर 2022,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में महान देश भक्त,क्रांतिकारी प. रामप्रसाद बिस्मिल के 95 वें बलिदान दिवस पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 481 वां वेबिनार था। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि बिस्मिल क्रांतिकारियों के सिरमौर थे व आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानंद सरस्वती से प्रेरणा लेकर वह क्रांतिकारी बन गए और बिस्मिल से प्रेरणा पाकर अनेक नोजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।उनके घनिष्ठ मित्र अशफाकउल्ला खां भी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले। उन्होंने सत्यार्थ प्रकाश से प्रेरणा लेकर महर्षि दयानन्द के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया था और अनेकों युवा साथियों को लेकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े। देश की आजादी की लड़ाई को मजबूत करने के लिए हत्यारों और धन की आवश्यकता थी जिसे पूरा करने के लिए प्रसिद्ध काकोरी काण्ड को अंजाम दिया।देश के युवाओं के लिये उनका जीवन सदियों तक प्रकाश पुंज बना रहेगा। आज इतिहास को शुद्ध करके क्रांतिकारियों को सही सम्मान देने की आवश्यकता है, जिससे आने वाली पीढ़ियां उनके जीवन से प्रेरणा ग्रहण कर सकें। वैदिक विद्वान डा.जयेंद्र आचार्य (आर्य समाज,आर्ष गुरुकुल नोएडा) ने कहा कि अमर शहीद पंडित रामप्रसाद बिस्मिल समस्त क्रांतिकारियों के गुरु थे व देश की आजादी के लिए संघर्षरत्त गर्म दल के क्रांति के जनक थे।शाहजहांपुर की उर्वरा धरती में महान क्रांतिकारी पंडित रामप्रसाद बिस्मिल का जन्म हुआ।आर्य समाज शाहजहांपुर के सत्संग में स्वामी सोमदेव जी के प्रवचनों को सुनके बालक बिस्मिल के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा। उनसे प्रभावित होकर पंडित बिस्मिल ने सत्यार्थ प्रकाश पढा, जिसको पढ़ कर बिस्मिल का सम्पूर्ण जीवन बदल गया।नशे जैसी दुष्प्रवृत्ति में जकड़े नौजवानों ने सब बुराइयों को छोड़कर अपने जीवन को संयम तथा सदाचार के मार्ग पर लगा दिया।महर्षि दयानन्द को अपना गुरु मानकर देश को आज़ाद कराने का संकल्प लिया तथा सम्पूर्ण जीवन देश को आजाद कराने में लगा दिया तथा देश की आजादी की लड़ाई लड़ते लड़ते फाँसी के फंदे को चूम लिया।उन्होंने फांसी के फंदे को चूमते हुए कहा था 'मैं ब्रिटिश साम्राज्य का पतन चाहता हूं' उन्होंने कहा कि 'जो फांसी पर चढ़े खेल में उनको याद करें,जो वर्षों तक सड़े जेल में उनको याद करें'। उन्होंने युवाओं से बिस्मिल के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उत्तर प्रदेश के प्रांतीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि शहीद देश की अमानत है,समय समय पर उनको याद करके हम उनके जीवन से प्रेरणा लेकर नयी उर्जा का संचार कर सकते हैं।उन्होंने कहा कि बिस्मिल पहले क्रांतिकारी थे जिनका वजन फांसी वाले दिन बढ़ गया था।उन्होंने देश भक्ति से ओतप्रोत रचनाओं 'तेरा वैभव अमर रहे मां, हम दिन चार रहें ना रहें' एवं हे मातृभूमि तेरी, जय हो सदा विजय हो' सुनाकर समा बांध दिया। आस्ट्रेलिया से केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के महामंत्री महेन्द्र भाई ने कहा की राम प्रसाद बिस्मिल को वैदिक धर्म को जानने का सुअवसर प्राप्त हुआ।इससे उनके जीवन में नये विचारों और विश्वासों का जन्म हुआ। उन्हें एक नया जीवन मिला। उन्हें सत्य, संयम, ब्रह्मचर्य का महत्व आदि समझ में आया। मुख्य अतिथि आर्य नेता अर्जुन देव दूरेजा व अध्यक्ष प्रेम सचदेवा ने कहा कि बिस्मिल बहुत अच्छे शायर थे, उनका लिखा गीत 'सरफरोशी की तमन्ना' हर व्यक्ति की जुबान से गाया जाता है। बिस्मिल ने फांसी से तीन दिन पहले जेल में अपनी आत्म कथा लिखी थी जो हर नोजवान को पढ़नी चाहिए। गायिका कौशल्या अरोड़ा, ईश्वर देवी, कमला हंस, जनक अरोड़ा, कृष्णा पाहुजा, प्रेम हंस, चंद्रकांता आर्या आदि के मधुर गीत हुए।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.**: 9810580474
से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970